सितंबर 2015

कॉर्पोरेट न्यूज़

एचएलएल का न्यूज़लेटर

एचएलएल को नवीं बार राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

भारत के आदरणीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के करकमलों से एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन राजभाषा कीर्ति पुरस्कार हासिल करते हैं।

हमारी राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्कभाषा हिंदी विश्वा बंधुत्व की भाषा है और इसका प्रचार - प्रसार हरेक नागरिक का सामाजिक जिम्मेदारी एवं फर्ज़ है। इसके सफलतापूर्वक कार्यान्वयन में दत्तचित्त एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, दक्षिण भारत के केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों के बीच में राजभाषा के सर्वोत्तम कार्यान्वयन को बढावा देने की ओर लगाए गये राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रथम स्थान के लिए हकदार बन गयी है। 14 सितंबर 2015 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर भारत के आदरणीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के करकमलों से एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने यह पुरस्कार हासिल किया। इस अवसर पर केंद्र गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्र गृह राज्य मंत्री श्री किरण रिजिजु, श्री हरीभाई पारर्थीभाई चौधरी और सचिव (राजभाषा) श्री गिरीष शंकर उपस्थित थे। एचएलएल इस राजभाषा पुरस्कार के लिए नौवीं बार हकदार बन रहा है। इस बार एचएलएल ने पहला स्थान हासिल करके अपनी उपलब्धी दुहरायी है।

केंद्र सरकार की राजभाषा नीति को प्रोत्साहित करने वाली उपलब्धियों को गृह मंत्रालय,राजभाषा विभाग,भारत सरकार,नई दिल्ली द्वारा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाता है। संविधान में सभा द्वारा 14 सितंबर 1949 को हिंदी भाषा को संघ की राजभाषा के रूप में घोषित किया गया, इसके वार्षिक दिवस को देश भर में हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

डॉ. एम.अय्यप्पन ने कहा- राजभाषा हिंदी को कर्मचारियों के बीच में लोकप्रिय बनाने के फलस्वरूप एचएलएल को सफलता प्राप्त हुई है। हिंदी भाषा को आत्मसात करने केलिए कंपनी में विविध हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए विविध हिंदी प्रतियोगिताएँ, कला और मनोरंजन कार्यक्रमों के आयोजन कर रहे हैं।

एचएलएल की राजभाषा पत्रिका समन्वया में एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के श्रीमती पी. इंदिरा अम्मा द्वारा लिखित "जनता की स्वास्थ्य रक्षा में एचएलएल की भूमिका" लेख को राजभाषा गौरव पुरस्कार दूसरा स्थान (नकद पुरस्कार रु. 22,000/- और प्रमाण पत्र) प्राप्त हुआ।

संगीत-नाटक अकादमी के लघु नाटक प्रतियोगिता एचएलएल के मंच पर

एचएलएल की सहभागिता से केवल संगीत-नाटक अकादमी और सांस्कृतिक विभाग संयुक्त रूप से एचएलएल के सर्गम ऑडिटोरियम, पेरूरकड़ा में आयोजित दक्षिण क्षेत्र की लघु नाट क प्रतियोगिताओं का उद्घाटन सितंबर, 12 को एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.अय्यप्पन ने किया।

पाँच दिनों से केरल के विविध जिलाओं के प्रमुख अमच्वर नाटक संघों के 10 नाटक -कोल्लम स्वरलय सांस्कृतिक समिति का 'आक्टर एण्ड क्रू', तृश्शूर अभिनया नाटक समिति का 'ओट्टा', कोट्टयम ब्लाकस्टेज थियेटर ग्रूप एण्ड रिसेर्च सेंटर का 'कालिल पुरवेच्चु नटक्कुन्नवन', कोट्टयम उला यूनिटी इन लिटरेचर एण्ड आर्ट का 'गोगोलिन्टे मूक्क' आदि मंच पर अभिनीत किये गये ।

केरल संगीत नाटक अकादमी हर महीने में केरल भर में आयोजित करते रहे विविध कला कार्यक्रमों के तिरुवनंतपुरम के मंचों पर एक है एचएलएल का सर्गम ऑडिटोरियम।

दक्षिण क्षेत्र की लघु नाटक प्रतियोगिताओं का उद्घाटन करते हैं एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन।

एचएलएल के सैनिटरी नैप्किन
वेंटिंग मशीन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में

निर्माण भवन में संस्थापित 'वेंडिगो' वेंटिंग मशीनों का उद्घाटन करते हैं श्री सी.के.मिश्रा, अपर सचिव एवं मिशन निदेशक, देशीय स्वास्थ्य मिशन।

निर्माण भवन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में एचएलएल के चार 'वेंडिगो' सैनिटरी नैप्किन वेंटिंग मशीन संस्थापित किया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के अपर महा निदेशक श्री सी.आर.के.नायर, संयुक्त सचिव डॉ.राकेष कुमार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक (प्रापण) श्री विकास आर्या, एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.अय्यप्पन आदि के समक्ष श्री सी.के.मिश्रा, अपर सचिव एवं मिशन निदेशक, देशीय स्वास्थ्य मिशन ने वेंटिंग मशीन का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि 'वेंडिगो' महिलाओं की स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को प्रमुखता देने के लिए सशक्त कदम है और यह स्कूल, दफ्तर एवं अस्पताओं में भी संस्थापित किया जाना है।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने कहा कि देश की महिलाओं एवं नौ युवतियों के बीच में गुणवत्तावाले सैनिटरी नैप्किनों के उपयोग बढाने और माहवार स्वच्छता पक्का करने के लिए एचएलएल प्रतिबद्ध है। अब विशेषतः ग्रामीण इलाकों में नैप्किनों का उपयोग कम है। प्रमुख व्यक्तियों की राय में भारत में महिलाओं को दूकानों से नैप्किन खरीदने के लिए हिचहिचाहट है। लेकिन 'वेंडिगो' मशीनों से नैप्किन सदा समय मिलेगा।

बलगाम की एचएलएल कनगला फैक्टरी में विनिर्मित 'हाप्पि डेइस' ब्रांड के तीन नैप्किनों का एक पैकेट दस रुपये में 'वेंडिगो' मशीन से मिलेगा। इस मशीन में एक,पाँच और दस रुपये की सिक्के का उपयोग कर सकते हैं। बलगाम की एचएलएल कनगला फैक्टरी में प्रतिवर्ष 400 दशलक्ष नैप्किनों को विनिर्मित करने की क्षमता है।

अब एचएलएल केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्रा, हरियाना, पश्चिम बंगाल के राज्य सरकारों के साथ मिलकर महिलाओं एवं नौ युवतियों के स्कूल, कॉलेज, कार्यालय और छात्रावासों में 'वेंडिगो' मशीन संस्थापित करने के कार्य में लगे रहा है। उपयोगित नैप्किनों के संस्करण के लिए इनसिनरेट्टर भी एचएलएल उपलब्ध कराता है। तिरुवनंतपुरम में कॉर्पोरेशन कार्यालय, एस इंजीनियरिंग कॉलेज, सरकारी महिला कॉलेज आदि ३४ जगहों में 'वेंडिगो' मशीन संस्थापित किया है।

एचएलएल के लाभ रहित संस्था हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्मन न्यास (एचएलएफपीपीटी), केंद्र सरकार के स्वास्थ्य स्वच्छता परिपालन पद्धतियों के लिए नैप्किनों को उपलब्ध कराने के अलावा जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

एचएलएल को फिक्की का स्वास्थ्यरक्षा उत्कृष्ट पुरस्कार

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, स्वास्थ्य क्षेत्र के उत्तम सेवाओं के उपलक्ष्य में फेडरेशन ऑफ इण्ड्यन चेंबर ऑफ कोमेर्स एण्ड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा संस्थापित स्वास्थ्यरक्षा उत्कृष्ट पुरस्कार के लिए हकदार बन गया। दिल्ली के एम्स में कार्यरत एचएलएल के मुफ्त आम औषधशाला कस्टमर एक्सपीरियन्स विभाग के उत्कृष्ट व्यवसाय मॉडल के रूप में चुन लिया गया है ।

आधुनिक तकनॉलजी की सहायता से मरीजों को जल्दी ही दवायें उपलब्ध करा के सरकार अस्पतालों की कार्य प्रकृति आसान करने की लक्ष्य से एचएलएल ने एम्स में मुफ्त औषधशाला शुरू किया । एचएलएल की इस योजना से भीड भरे समय में दवा के लिए लंबी देर तक खड़े रहने की प्रक्रिया को हाल कर सकते हैं ।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने कहा कि यह फिक्की पुरस्कार एचएलएल द्वारा लागू किये जाने वाली नूतन पद्धतियों के लिए प्रेरणादायक रहेगा । उन्होंनो जोड़ा कि यह पुरस्कार एचएलएल की पद्धतियों की नवीनता और पद्धतियों के कार्यान्वयन के सठीकता का अंगीकार है और अब एचएलएल भारत के सभी अस्पतालों को एक साथ मिला कर मुफ्त आम दवा शालाओं की श्रृंखला प्रारंभ करने की पद्धति तैयार करता है । नूतन आशय एवं पद्धतियों से उत्तम सेवाएं प्रदान करने

फिकी के मुख्य श्री आर.वी.कणोरिया से एचएलएल के महिला स्वास्थ्य रक्षा प्रभाग के सहायक प्रबंधक कुमारी श्यामिली पुरस्कार हासिल करती है।

वाली भारत की स्वास्थ्य संस्थाओं एवं व्यक्तियों को सम्मानित करने के लक्ष्य से फिकी स्वास्थ्यरक्षा पुरस्कार देते हैं । पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त श्री एस.वाई.खुरेषी, कोलंबिया एश्या अस्पताल अध्यक्ष एवं मैनेजिंग ग्रूप चिकित्सा अधिकारी डॉ.नन्दकुमार जयराम सहित जूरी ने एचएलएल को इस पुरस्कार के लिए चुन लिया है । दिल्ली में आयोजित समारोह में फिकी के मुख्य श्री आर.वी.कणोरिया से एचएलएल के महिला स्वास्थ्य रक्षा प्रभाग के सहायक प्रबंधक कुमारी श्यामिली ने यह पुरस्कार हासिल किया ।

एक नज़र

प्रो.जे.फिलिप, अध्यक्ष, एक्स आई एम ए, बैंगलूर 1 सितंबर को आयोजित थिंक टैंक लेक्चर सीरीस में क्लास लेते हैं।

एचएलएल कॉर्पोरेट मुख्यालय में 23 अगस्त को आयोजित ओणम समारोह।

एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के श्रीमती पी. इंदिरा अम्मा राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के करकमलों से राजभाषा गौरव पुरस्कार हासिल करती है।

"मेरा एचएलएल"

कर्मचारियों के प्रतिवचन

परिवर्तन को आत्मसात करते हुए एचएलएल का विकास हो रहा है। कदम-कदम करके आज एचएलएल सात कंपनियों के साथ एक बृहत ग्रूप बन गया है। कंपनी के सबसे महत्वपूर्ण अंग रहे कंपनी के कर्मचारी लोग इस विकास और कंपनी को कैसे देख रहे हैं? एक खोज...

रतीष, (पैकिंग), पेरूरकडा फैक्टरी

"2001 से एचएलएल का हिस्सा हूँ। यहाँ आने के बाद केरल राज्य सरकार के अधीन तीन संस्थाओं में निम्न श्रेणी लिपिक के पद पर नियुक्ति का अवसर मिला था । लेकिन एच एल एल को छोड कर जाने केलिए मन नहीं था।
एचएलएल एक परिवार जैसी है। हमारे उत्पादन दुगुना हो गया है। हमारी कंपनी की उत्कृष्ट कार्य संस्कृति से इस तरह की प्रगति हुई है।"

कृष्णन नंबुतिरी, (ओ -5)
आक्कुलम

"1988 से एचएलएल का भाग हूँ। कंपनी का विकास अभूतपूर्व है।मेरी राय में इस कार्य शैली को इसी प्रकार से जारी करना चाहिए।"

आर. गीतादेवी लेखा विभाग,
आक्कुलम

"1996 में यहाँ कार्यभार ग्रहण किया था। एचएलएल को परिवार नियोजन योजना ही देशीय स्तर पर प्रसिद्ध बना दिया था। अब कंपनी उससे भी अधिक बढ गयी । कंपनी की इस तरह की वृद्धि की उम्मीद नहीं थी।"

लक्ष्मी, गुणवत्ता आश्वासन

"मेरा पिताजी एचएलएल के कर्मचारी थे। पिताजी के देहांत के बाद मैं ने यहाँ कार्यारंभ किया। बचपन में, एचएलएल में आयोजित एक एक्सपो देखने केलिए आयी थी । उस समय के एचएलएल से आज तक के विकास आश्चर्यजनक है। 2008 से एचएलएल की कर्मचारी है। मेरी राय में विजय दिवस जैसे कार्यक्रम कामगारों के बीच में उत्कृष्ट निष्पादन करने वाले कर्मचारियों को आदर करने के लिए हर महीने में आयोजित करेंगे तो कर्मचारी अधिक प्रेरणादायक बनता है। एचएलएल के सभी उत्पादों को उपलब्ध करने वाले एक प्रत्येक दुकान प्रारंभ करेंगे तो अच्छा है।"

सी. प्रदीपकुमार, अधिकारी
(इंजीनियरिंग), आक्कुलम

"1987 में यहाँ कार्यारंभ शुरू किया। मैं सामान्य ग्रेड से ऊँचे ग्रेड तक पदोन्नति प्राप्त व्यक्ति हूँ। रोज़मरा खाने से आभार है। यहाँ से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के एक मिलन समारोह आयोजित करेंगे तो नयी पीढियों में रहे हम सब को उससे प्रोत्साहन और प्रेरणा मिलेगा।"

"1987 में यहाँ कार्यारंभ शुरू किया। कंडोम उत्पादन करने वाली कंपनी होने के नाते एचएलएल में काम करना बोलना पहले शर्म की बात थी । अब ऐसी नहीं है। शादी के प्रस्ताव करते समय एचएलएल में काम करनेवालों को विशेष स्थान मिलता है। किसी भी सभा में एच एल एल के कर्मचारियों को अच्छा स्वीकार्यता मिलती है। कंपनी की इस प्रकार की बढती की उम्मीद बिलकुल नहीं थी।"

पी. इंदिराम्मा, भंडार, पेरूरकडा
फैक्टरी

एस. वामनन नंबूतिरी
(इंजीनियरिंग), आक्कुलम

"1987 में से एचएलएल परिवार के सदस्य रहा है। एचएलएल के कार्यकलाप इस हद तक विस्तार करने में बडा गर्व महसूस होता है। कंपनी के विकास के बारे जनता के बीच में अच्छी राय है।"

एन.एस.षीना, लैब, पेरूरकडा

"1998 में यहाँ कार्यारंभ से, आज तक एचएलएल मेरे घर के समान है। सार्वजनिक स्थानों में हमारी वर्दी की अचानक पहचान होती है। एचएलएल के कर्मचारी कहने पर अच्छा आदर मिलती है।"